

90 प्रतिशत विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

आईआईटी इंदौर में इस साल औसतन 10 लाख का पैकेज हुआ ऑफर

» अमेजॉन, स्नैपडील, गूगल जैसी दिग्गज कंपनियों ने विद्यार्थियों को किया रिक्रूट

अक्षय बाजपेयी >> इंदौर

आईआईटी इंदौर में सत्र 2014-15 का औसत पैकेज 10.10 लाख रुपए रहा। प्लेसमेंट का औसत पैकेज लगभग 4 लाख तक बढ़ा है। गूगल द्वारा ऑफर किया गया 1.70 करोड़ का पैकेज देशभर के 6 नए आईआईटी में सबसे ज्यादा रहा। वहीं पुराने नामचीन आईआईटी में इंदौर तीसरे नंबर पर है। हाल ही में प्लेसमेंट प्रक्रिया पूरी होने के बाद आधिकारिक आंकड़े सामने आए।

इंदौर में 2009 में आईआईटी खुला था। यह मुंबई आईआईटी के अधीन है। 2013 में यहां से पहली बैच निकली तो लगभग 6 लाख का पैकेज मिला था। तीन साल में 4 लाख के ग्रोथ को बेहतर माना जा रहा है। देशभर के 7 नए हैदराबाद, भुवनेश्वर, जोधपुर, गांधीनगर, रोपर और मंडी आईआईटी की तुलना में आईआईटी इंदौर में सबसे ज्यादा पैकेज मिला है। प्लेसमेंट ऑफिसर्स के अनुसार आईआईटी मुंबई की मेंटरशिप और कंपनियों के साथ ब्रिज बनाकर रिलेशनशिप विकसित करने से यह फायदा मिल रहा है।

97 विद्यार्थियों में से 87 को मिली जॉब

इस साल फाइनल ईयर बैच में कुल 116 विद्यार्थी हैं, इनमें से 103 को ऑफर लेटर मिला है। 97 विद्यार्थी कैपस प्लेसमेंट में शामिल हुए, जिसमें से 87 ने कंपनियों के ऑफर स्वीकार किए। बाकी विद्यार्थियों ने आगे की पढ़ाई या निजी कारोबार शुरू करने के लिहाज से इंकार कर दिया।

नाम	हायएस्ट पैकेज
आईआईटी बॉम्बे	2 करोड़
आईआईटी मद्रास	1.80 करोड़
आईआईटी इंदौर	1.70 करोड़
आईआईटी खड़गपुर	1.54 करोड़
आईआईटी दिल्ली	1.42 करोड़

(देशभर के 16 आईआईटी में प्लेसमेंट पैकेज के मामले में ये पांच प्रमुख हैं। इस सूची में पहली बार इंदौर का नाम जुड़ा है)

ई-कॉमर्स कंपनियों से मिला अनपेक्षित रिसर्पॉन्स

ई-कॉमर्स कंपनियों से आईआईटी-आई को अनपेक्षित रिसर्पॉन्स मिला। अमेजॉन, स्नैपडील, हैकर रैंक ने इंदौर के आईआईटीएस को पसंद किया। वहीं गूगल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, यूनाइटेड हेल्थ ग्रुप, एवटेक, टाटा मोटर्स कंपनियों ने भी अच्छे जॉब ऑफर किए।



चार लाख बढ़ गया औसत पैकेज

इस साल आईआईटी इंदौर का औसत पैकेज पहले की अपेक्षा 4 लाख रुपए सालाना बढ़ गया है। पहले यह लगभग 6 लाख का था। अधिकतम पैकेज के मामले में भी आईआईटीएन्स 1 करोड़ 70 लाख रुपए तक पहुंच गए। 6 नए आईआईटी में से इंदौर सबसे आगे है।

- निर्मला मेनन, पीआरओ, आईआईटी, इंदौर